

विदिशा,शुक्रवार,दिनांक,25 सितंबर,2026

को दोलखेही से घटनेविधि और सौधरी होते हुए भी कौशल को और भेजा जायगा। काँची साहजिक और समग्र की ओर जाने वाले चाहणी की दोलखेही से ही अनेकपल समुद्र, समुद्रिय कर्मकाय को होते हुए समग्र की ओर जानन होता।

पुनरित न सद्योगे की अपील की

एकरी सोहित कालखानी नै वाहन चलसोय नै अनेक की नै। चित्त समग्रोह की दौरान मातापितर वाक्यान्त बनए रहने की छित प्रतिक्रिया मारन को उपयोज्य न करै और निरपेक्षित वैकल्पिक मारन से आवाहन बनै। पुनरित नै लगाए गए प्रतिक्रिया दायरामन को सामन्य वाक्यान्त बनए रहने सद्योगे बनै।

शिव, जसक तमिति अथवा रामानुज दाँते नै कस की झाली सभाकाल को हिन प्रकार की कसकाल होने सन्धित से घटनेविधि सौधरी सूर्योपवने की घटने की माँह नै। प्रज्ञान नै सन्धित की घटनेविधिसौधरी यल समग्रोह मारन को निरपेक्ष नै समग्रोहोह की अनेक सद्योगे नै।

